इनफाक (अल्लाह के रास्ते मे खर्च करना)

मौलाना जलील अहसन नदवी रह.

राहे अमल हिन्दी.

‘नोट:- हदीष की रिवायत का खुलासा है.’

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम

अफजल दिनार

* मुस्लिम, रावी हज़रत सौबान रदी.

रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया वो दीनार बेहतर हे जिसे आदमी अपने बाल बच्चों पर खर्च करता हे, और वो दीनार बेहतर हे जिसे आदमी अल्लाह की राह मे जिहाद करने के लिये सवारी खरीदने मे खर्च करता हे, और वो दीनार बेहतर हे जिसे आदमी अपने साथियों पर खर्च करता हे उन साथियों पर जो अल्लाह की राह मे जिहाद करते हे.

अफजल सदका

* बुखारी व मुस्लिम, रावी हज़रत अबू हुरैरा रदी.

एक आदमी रसूलुल्लाहﷺ पास आया और उसने पूछा की

कौन सा सदका अजर व सवाब के लिहाज से बढा हुवा हे? आपﷺ ने फरमाया की वो सदका सबसे बेहतर हे जो तू उस ज़माने मे करे जबकि तू सही व तन्दुरूस्त हे, और तुझे मोहताजी का भी डर हे और यह भी उम्मीद हे की तुझे और माल मिल सकता हे ऐसे ज़माने मे सदका करना सबसे बेहतर हे और तू ऐसा न कर की जब जान हल्क मे आजाये और मरने लगे तब तू सदका करे और यूं कहे की इतना फलां का हे, अब तेरे कहने का क्या फायदा? अब तो वो फलां का हो ही चुका हे.

फरिश्तो की दुवाये

* बुखारी व मुस्लिम, रावी हज़रत अबू हुरैरा रदी.

रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया की कोई दिन नहीं गुज़रता मगर ये की अल्लाह की तरफ से दो फरिश्ते उतरते हे जिन मे से एक खर्च करने वाले बन्दे के लिये दुआ करता हे, कहता हे की ऐ अल्लाह तू खर्च करने वाले को अच्छा बदला दे, और दूसरा फरिश्ता तंगदिल कंजूसों के हक मे बददुआ करता हे, कहता हे की ऐ अल्लाह कंजूसी करने वाले को तबाही व बरबादी दे.

ज़रूरत से ज्यादा माल खर्च करो

* तिर्मिजी, रावी हज़रत अबू उमामा रदी.

रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया की ए आदम के बेटे अगर तू अपने ज़रूरत से ज़्यादा माल को अल्लाह के मुहताज बन्दों और दीन के कामों पर लगाये तो ये तेंरे हक मे बेहतर होगा और अगर ते ज़रूरत से ज़्यादा माल को ज़रूरतमंदों पर नहीं खर्च करेगा तो आखिरकार ये तेंरे हक मे बुरा होगा और अगर तेंरे पास ज़रूरत से ज़्यादा माल नहीं हे बल्कि उतना ही माल हे जिस से तू अपनी ज़रूरतों को पूरा सके तो अगर तू उसमे से खर्च न करे तो खर्च न करने अल्लाह तुझे मलामत न करेगा. और आपना सदका (दान) उन लोगों से शुरू करो जिन की तुम परवरिश करते हो.

अल्लाह के रास्ते मे खर्च करने का बदला

*बुखारी व मुस्लिम, रावी हज़रत अबू हूरैरह रदी.

रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया अल्लाह तआला फरमाते हे तू मेंरे मोहताज बन्दों पर और दीन के काम को आगे बढाने के लिये खर्च करे तो मे तुझ पर खर्च करूंगा. तुझ पर खर्च करूंगा का

मतलब हे की आदमी जो कुछ अपनी कमाई मे से अल्लाह के मोहताज बन्दों की ज़रूरतों और दीन के कामो मे खर्च करता हे तो उसका पैसा बरबाद नहीं जायेगा बल्कि वो उसका बदला आखिरत मे भी पायेगा और यहां भी, दुनिया मे उसके माल मे बरकत होगी और आखिरत मे जो कुछ उसे मिलेगा उसका अन्दाज़ा यहां नहीं किया जा सकता.

कंजूस मालदारों की हलाकत

* बुखारी व मुस्लिम, रावी हज़रत अबू जर गिफारी रदी.

मे रसूलुल्लाहﷺ की खिदमत मे हाज़िर हुवा उस वकत आप काबा के साये मे बैठे हुवे थे, जब आप की नज़र मुझ पर पडी तो फरमाया वो लोग तबाह व बरबाद हो गये, मेने कहा मेरे मां बाप आप पर कुर्बान, कौन लोग तबाह और बरबाद हो गये? आपﷺ ने फरमाया वो तबाह व बरबाद हो गये जो मालदार होने के बावज़ूद खर्च नहीं करते, कामयाब सिर्फ वो ही होगा जो अपनी दौलत लुटाये, सामने वालो को दे, पीछे वालो को दे और बाये तरफ वालो को दे, और ऐसे मालदार खर्च करने वाले तो बहुत ही कम हे.